

11. पालि भाषा में प्रमाण पत्र (CERTIFICATE IN PALI LANGUAGE)

उद्देश्य : कालक्रम में ऋग्वेद की भाषा से क्षेत्रीय बोलियों का विकास हुआ । उस विकसित स्वरूप से एक विशेष भाषा का जन्म हुआ, जिसे हम 'पालि' नाम से जानते हैं । स्थविरवादी बौद्ध धर्म के—'त्रिपिटक' और उसक सम्पूर्ण उपयोगी साहित्य पालि भाषा में ही संकलित हैं । बुद्धकालीन मगध की भाषा 'पालि' थी, जो पश्चिम में उत्तर कुरू से लेकर पूरब में पाटलिपुत्र तक और उत्तर में श्रावस्ती से लेकर दक्षिण में अवन्ती तक फैली हुई थी । जर्मन विद्वान डॉ० मैक्स वेलेसर के अनुसार, 'पालि' पाटलि का संक्षिप्त रूप है । बुद्ध के धम्म और विनय सम्बन्धी सारे वचन पालि भाषा में ही लिपिबद्ध हैं । बुद्धवचन न केवल बौद्धों के लिए, बल्कि समस्त जीव और जगत के लिए कल्याणकारी हैं । जीवन-दर्शन तथा जीवन संस्कृति के बौद्ध सिद्धान्तों की समझ पालि भाषा की समझ विकसित करने से ही सम्भव है । इस अर्थ में 'पालि' की उपयोगिता, सार्थकता और औचित्य सर्वाधिक है । विश्वास है, यह सर्टिफिकेट कोर्स पालि-काल के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और मानवीय मूल्यों का ज्ञान तो देगा ही, इसके साथ ही यह शिक्षण-सम्बन्धित संस्थानों के माध्यम से आर्थिक समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त करेगा । **इस पाठ्यक्रम में नामांकन के लिये न्यूनतम योग्यता मैट्रिक पास है ।**

पाठ्यक्रम संरचना : 'पालि' के षड्मासीय सर्टिफिकेट कोर्स में तीन पत्र होंगे । प्रत्येक पत्र 100 अंकों का होगा और प्रत्येक पत्र की परीक्षा अवधि तीन घण्टे की होगी । सभी सैद्धान्तिक पत्रों में 80 अंकों के लिये लिखित परीक्षा होगी एवं 20 अंकों का सत्रीय कार्य जमा करना होगा । पत्रों का विवरण नीचे दिया गया है :

Scheme of Examination - Students being admitted to this course must pass in each paper of the examination to pass the certificate course. To pass in each paper, a student must secure at least 33% of marks in each paper separately. To determine 33% of marks in each paper, the marks obtained by a student, both in term-end written examination and home assignment, shall be clubbed and counted together to determine the aforesaid percentage. However, if a candidate has secured Zero mark in the term-end written examination or home assignment examination in any paper, as the case may be, he/she will be deemed to have failed in that paper. Failure in one paper will mean failure in that part of the examination. Hence, students must strive hard to pass separately in each paper.

The term-end examination shall be held at the end of the academic session and, as said, it will be compulsory to pass in each paper of the examination before a student is declared to have passed his/her certificate course.

This course is divided into 3 papers; each carrying 100 marks. The distribution of marks between written examination assignment and practical work will be as follows:

Paper	Title of the paper	Distribution of Marks Between Theory and Assignment		Minimum Marks required to pass the examination (written exam. + Assignment)
		Written exam	Assignment	
1	पालि भाषा का उद्भव एवं विकास	80	20	33
2	पालि साहित्य का इतिहास	80	20	33
3	पालि भाषा का व्याकरण एवं रचना	80	20	33
	Total	240	60	33 marks in each papers